दिनांक- 15.4.24

Tender Heart High School, Sec. 33-B. CHD.

कक्षा - चौथी शिक्षिकाएँ - सुमन शर्मा, रोमा रानी
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-2 'वृक्षों का रक्षाबंधन', भाग -2 और शेष

पुस्तक - नवतरंग - 4

प्यारे बच्चो, सुप्रभात!

बच्चो! पाठ-2 'वृक्षों का रक्षाबंधन' का अगला भाग जो पृष्ठ-10 पर दिया गया है, को पढ़ेंगे। पाठ को आगे बढ़ाने से पहले हम पिछले सप्ताह कराए गए कार्य को पुनः पढ़ेंगे। थोड़ा पूर्वज्ञान प्राप्त कर लेते हैं।

बच्चो! यह पाठ हमारे चारों ओर के पर्यावरण से संबंधित है। इसमें वृक्षों के महत्व को बताया गया है। वृक्ष हमें शुद्ध हवा देते हैं। वृक्ष पृथ्वी की रक्षा करते हैं। दूषित वायु को अपने में समेट लेते हैं। वृक्ष हैं तो हम हैं। अतः हमें अधिक से अधिक वृक्ष लगाने चाहिए और इन वृक्षों की रक्षा करनी चाहिए। इसी से संबंधित कहानी का भाग हम पढ़ चुके हैं जिसमें धरती और धीरज नाम के दो बच्चे एक सोसायटी में रहते थे। उनकी सोसायटी में एक पार्क था, जहाँ ये बच्चे अपने मित्रों के साथ खेलते थे। एक दिन उन्हें पता चला कि उस पार्क को वहाँ से हटाकर एक बहुमंज़िली इमारत बनाई जाने वाली थी। यह सुनकर बच्चों को बहुत दुख हुआ। शाम को वे पार्क में गए, पर खेले नहीं। वे सोच रहे थे कि हम अब खेलेंगे कहाँ? सब बच्चे मिलकर पेड़ों की रक्षा का उपाय सोचने लगे। तभी धीरज की मौसी ने उन बच्चों की उदासी का कारण पूछा। बच्चों की बात सुनकर उपासना मौसी बच्चों को को अपने साथ लेकर प्रभात अंकल के पास गईं। वे सोसायटी के अध्यक्ष थे और वे भी परेशान थे। जब मौसी ने पेड़ों को राखी बाँधकर उन्हें बचाने का सुझाव दिया तो सभी के चेहरे खिल उठे।

सब बच्चों ने निश्चय किया कि राखियों

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

कक्षा- चौथी शिक्षिकाएँ - सुमन शर्मा, शोभा रानी
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-2 वृक्षों का रक्षाबंधन)

वे सब मिलकर घर पर ही बनाएँगे। बाज़ार से नहीं खरीदेंगे। बस फिर क्या था। सबने घर जाकर अपने-अपने माँ-पिता जी को अपनी योजना बताई। उन्होंने भी राखियाँ बनाने में बच्चों की मदद की। कुछ बच्चों ने स्लोगन (नारे) भी लिखकर तैयार कर लिए।

बच्चो, अब मैं आपको कुछ कठिन शब्दों के अर्थ बताऊँगी। शब्दार्थ:-

	शब्द - अर्थ	शब्द - अर्थ
1.	वृक्ष - पेड़	7. प्रयास - कोशिश
2.	शोभा - सुंदरता, चमक	8. सुझाया - बताया
3.	जीवन - ज़िंदगी	9. परेशान - दुखी
4.	भूमि - ज़मीन	10. शुद्ध - साफ़
5.	रक्षा - बचाव	11. दंग - हैरान, चकित
6.	जीवनदाता - जीवन देने वाले	12. उपाय - युक्ति, तरीका

बच्चो! पाठ का कुछ भाग आपने पढ़ा व समझा। अब मैं आपसे कुछ प्रश्न पूछ लेती हूँ। इन प्रश्नों के उत्तर आप अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे।

प्रश्न-1 पाठ में आए दोनों बच्चों के नाम लिखो।
प्रश्न-2 बच्चे क्यों दुखी थे?
प्रश्न-3 बच्चों को लेकर मौसीजी कहाँ गईं?
प्रश्न-4 माँ-पिताजी ने बच्चों की मदद कैसे की?

बच्चो! आज हम इस पाठ को यहीं समाप्त करते हैं। इस पाठ का शेष भाग हम अगले सप्ताह पढ़ेंगे। अब मैं गृहकार्य दूँगी।

गृहकार्य:- कराए गए शब्दार्थ को अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे व याद करेंगे। पाठ को दो-तीन बार उच्च स्वर में पढ़ेंगे।

धन्यवाद।

(अंतिम पृष्ठ-2)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner